Bihar Board Class 6 Sanskrit Notes Chapter 6 सुभाषितानि

सुभाषितानि Summary

1. परोपकाराय सतां विभूतयः
2. उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।
3. सुखार्थिनः कुतो विद्या विद्यार्थिनः कुतः सुखम् ।
4. सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् ।
5. सम्पत्ती च विपत्तौ च महतामेकरूपता ।
6. स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ।
7. सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
8. न लोभेन समं दुःखं न सन्तोषात् परं सुखम् ।
9. आत्मनः प्रतिकूलानि न परेषां समाचरेत्।
10. बुभुक्षितः किं न करोति पापम् ।।
11. विद्या ददाति विनयम् ।
12. ज्ञानं भारः क्रियां विना ।

अर्थ-

1. सज्जनों की सम्पत्तियाँ परोपकार के लिए होती है।
2. ऊँचे विचार वालों के लिए सारी धरती परिवार है।
3. सुख चाहने वालों को विद्या कहाँ? और विद्या चाहने वालों को सख कहाँ।
4. सत्य बोलना चाहिए, प्रिय बोलना चाहिए, अप्रिय सत्य नहीं बोलना चाहिए।
5. सुख-दु:ख दोनों में महान व्यक्ति एक समान रहते हैं।
6. राजा अपने देश में पूजित होते हैं लेकिन विद्वान की पूजा सब जगह होती है। होती है।
7. सभी सुखी हों, सभी नीरोग हों।
8. लोभ के समान कोई दु:ख नहीं और संतोष के बराबर काई सुख नहीं।
9. अपने से विपरीत (भिन्न) दूसरों के लिए आचरण नहीं करना चाहिए।
10. भूखा व्यक्ति कौन-सा पाप नहीं करता है।
11. विद्या विनम्रता देती है।
12. क्रिया के बिना ज्ञान भार बन जाता है।

शब्दार्था :-सुभाषितानि – सुन्दर कथन। परोपकाराय – दूसरों के उपकार के लिए (पर + उपकाराय) सतां -सज्जनों की। विभूतयः – धन-सम्पत्तियाँ। उदारचरितानाम् – ऊँचे (उदार) विचार वालों का। वसुधैव – (वसुधा+एव) पृथ्वी /संसार ही। कुटुम्बकम् -परिवार (कुटुम्ब)। सुखार्थिनः – (सुख अर्थिन:) सुख चाहने वाले को। कुतो (कुतः) – कहाँ । विद्यार्थिन:- विद्या चाहने वालों को। ब्रूयात् – बोलना चाहिए। सत्यमप्रियम् - (सत्यम् + अप्रियम्) अप्रिय सत्य। सम्पत्तौ- सुख में। विपत्ती- दुःख में। महताम् – महान व्यक्ति। स्वदेशे – अपने देश में। पूज्यते – पूजा जाता है। आदर पाता है। भवन्तु- होवें/हों । सन्तु – हों/ होवें। निरामयः – (निर+ आमय:)

https://www.evidyarthi.in/

नीरोग। लोभेन समम् -लोभ के बराबर । सर्वे – सभी। सन्तोषात् – संतोष से। परम् – बढ़कर। अत्मनः – अपने से। प्रतिकूलानि – भिन्न/विपरीत। परेषा – दूसरों के । को लिए। न- नहीं। समाचरेत् – (सम्+आचरेत्) आचरण करना चाहिए। बुभुक्षितः – भूखा। करोति – करता है। ददाति – देता है/देती है। विनयम् – विनम्रता। भारः – भार (बोझ)।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/